Krishnagar Academy
Subject - Hindi 2nd Lang
class - IX

'काकी' कहानी में श्यामू का चरित्र-चित्रण

श्यामू पाँच-छह साल का एक अबोध बालक जो प्रस्तुत कहानी का प्रमुख पात्र है। वह अपनी माँ को बहुत प्यार करता है। माँ के मर जाने के बाद वो हमेशा रोया करता है। रेमा शांत हो जाने के बाद भी वह शोक में डूबा रहता है। आसमान में उड़ती पतंगों को देखकर वह काकी के पास पतंग भेजना चाहता है जिस पर बैठकर या उसकी डोर को पकड़कर वह नीचे फिर से श्यामू के पास आ जाए।

भावुक बालक - श्यामू अत्यंत भावुक बालक है। सवेरे जब श्यामू की नींद खुलती है तो वह देखता है कि घर के लोग उसकी काकी अर्थात उसकी माँ को घेरकर बैठे हैं और करुण स्वर में विलाप कर रहे हैं जब लोग काकी को श्मशान ले जाने लगे तो वह काकी को नहीं जाने देता। बड़ी कठिनाई से उसे रोका जा सका।

दृढ़ बालक - श्यामू बहुत दृढ़ता से काम लेता है। पतंग देखकर वह पतंग को आसमान में भेजकर काकी को नीचे उतारना चाहता है। इसके लिए पिता के जेब से पैसे चोरी करने पर भी नहीं डरता। वह अपने मित्र भोला से मिलकर योजना बनाता है। रस्सी, पतंग तथा काकी के नाम का चिट सभी चीजों का प्रबंध करता है।

सीधा और सरल - श्यामू सीधा और सरल बच्चा है यही कारण है कि वह काकी को वापस पाने के लिए पतंग का सहारा लेता है। काकी पतली डोर पर नहीं आ पाएगी। इसीलिए वह मोटी रस्सी का इंतजाम करता है। काकी अपना नाम पढ़कर वापस आए इसीलिए पतंग पर काकी नाम वाला चिट लिखवाकर आसमान में भेजता है?

H.W.

(क) शोक से क्या तात्पर्य है? कौन शोक से ग्रस्त था व क्यों?

(ख) 'काकी' कहानी का शीर्षक कहाँ तक सार्थक है?